

# 海岳古韵

——  
山海关诗联集萃



■ 王德立 主编

远方出版社

# 海 岳 古 韵

王德立

远 方 出 版 社

## 海岳古韵

---

主 编 王德立  
出 版 远方出版社  
社 址 呼和浩特市乌兰察布东路 666 号  
邮 编 010010  
发 行 新华书店  
印 刷 内蒙古华商印务  
版 次 2003 年 7 月第 1 版  
印 次 2003 年 7 月第 1 次印刷  
开 本 850 × 1168 1/32  
印 张 10  
字 数 250 千  
印 数 1-10000 册  
标准书号 ISBN7-80595-740-E/I·194  
定 价 18.00 元

---

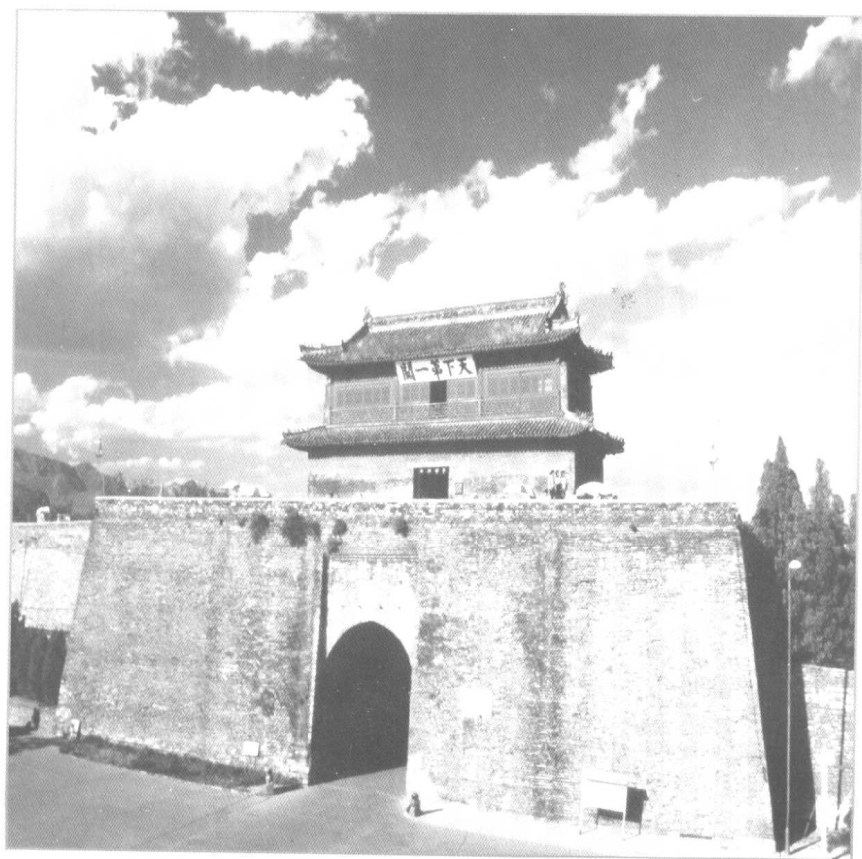
远方版图书，版权所有，侵权必究。  
远方版图书，印装错误请与印刷厂退换。

# 《海岳古韵》编委会

|      |    |     |     |     |
|------|----|-----|-----|-----|
| 顾问   | 问： | 李彦良 |     |     |
| 主任   | 任： | 时晓峰 |     |     |
| 副主任  | 任： | 郭爱民 | 李连明 | 王德立 |
| 委员   | 员： | 王德立 | 潘杰  | 王兰萍 |
|      |    | 李瑞保 | 刘珂莹 | 杨斌  |
|      |    | 周康恒 | 张敏利 | 张晓达 |
|      |    | 高庭库 | 程立群 | 于占海 |
|      |    | 李文  | 刘尽忠 | 贾秀珍 |
|      |    | 刘丽君 |     |     |
| 主编   | 编： | 王德立 |     |     |
| 副主编  | 编： | 潘杰  |     |     |
| 编辑   | 辑： | 李文  | 刘尽忠 |     |
| 照片提供 | 供： | 郭泽民 | 王津贵 | 安跃民 |
| 校对   | 对： | 冯颖  | 李耀东 | 陈大成 |
|      |    | 刘博  |     |     |

# 天下第一关

镇东楼上的匾额题字



雄伟的天下第一关——镇东楼



角山长城雄姿



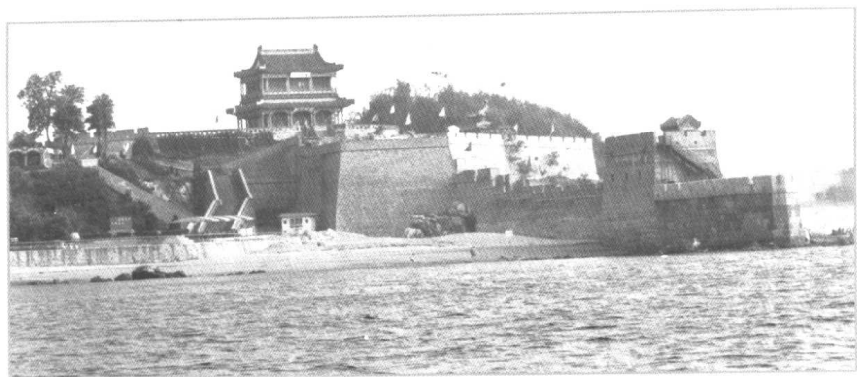
先师庙大成殿



贞女祠中的孟姜女塑像



三清观中的蟠龙松



明长城入海处——老龙头

天容海色本澄清

日曜月華從太始

清乾隆皇帝书澄海楼楹联



# 前 言

山海关，居战略之险，揽山海之胜，不仅是军事要塞，风景胜地，还是一座历史文化名城。

山海关，是明蓟镇长城的起点。建于洪武年间的明长城，在角山下设置了山海关关城，在渤海之滨设置了宁海城。“天下第一关”，“两京锁钥无双地”；“长城入海处”，“长城连水水连天”。

山海关，地处山海之间。北部是莽莽群山，南部是滔滔大海。“一峰侧立一峰横”的角山，“双峰叠翠倚云端，无限华夷是此山”；“沧冥极目水连云”的渤海，“潮汐奔腾坤轴走，波涛汹涌雪花浮”。

山海关一地，唐代曾建有五花城，辽代建有孟姜女庙，明代建有栖贤寺等。五花城，“宿昔军容开紫塞，至今战垒向黄昏”；孟姜女庙，“长城不为祖龙存，千古谁招姜女魂”；栖贤寺，“寺拓岩扉古堞边，苍松蔚蔚薜萝牵”。

天开海岳。由于山海关有着众多历史人文景观和自然景观，古往今来吸引了无数帝王将相和文人墨客。他们吟诗作赋，寄情抒怀。这些历代的诗歌，或展示气吞万里的宏图大志，或表现慷慨悲壮的雄伟气派，或表露国事沉浮的忧患意识，或表达思乡恋土的依依情怀。

山海关历代建有各种庙宇，多达数百。座座庙宇楹联高挂，争奇斗艳。既是文采比试，又是书法大展览，构成了又一道亮丽的风景线。“白云飞去青山在，青山常在白云中”，瑞云庵的楹联向人们展开了一幅秀美的山水画卷；“海水朝朝朝朝朝朝落，浮云长长长长长长消”。姜女庙的对联运用汉字一字多音多义的特点，妙趣横生，余味无穷，让人们感受到天空大海的高深莫测，气象万千；“开国功臣千秋在，长城重镇万古存”。显功祠的楹联，让人们领略了历史的厚重，世态的沧桑。

走进山海关，仿佛到了诗歌的海洋，楹联的世界。历代吟咏山海关的诗歌及镶嵌在古建筑上的楹联，虽然有些带有明显的迷信色彩，但大多都有一定的思想性、哲理性、趣味性和艺术性。

多年来，我对历代留下来的诗歌和楹联有着浓厚的兴趣，早就有将其收集成册的心愿。幸得同道李彦良、时晓峰、李连明、潘杰、高庭库、刘尽忠、李文等同志的鼎力相助，现把搜集到的诗联进行了整理并辑印成书，以供欣赏。书中共收录从唐至民国初年的诗歌 180 首，楹联 380 副，涉及山、海、关及 58 座庙宇。我想这对于今天我们发展山海关的地方经济，特别是旅游产业，还是有一定益处的。是为记。

王德立

2003 年 3 月



**王德立：**男，河北曲阳县人。

1946年生，1968年毕业于天津外国语学院。在驻石家庄部队农场接受再教育1年半。

1970年—1992年在昌黎县工作，先当工人六年，后任书记兼厂长，工业局副局长，经委主任、副县长。1992年至今先后任秦皇岛市山海关区副区长、常务副区长、区委副书记、政协主席。河北省作家协会会员，其作品有《巨龙明珠山海关》、《痕吟集》等。其业绩被收录《政协委员风采录》。《中华魂·中国百业领导英才大典》、《世界人物辞海》。

# 目 录

## 咏山

|           |              |
|-----------|--------------|
| 角山 .....  | [明] 尚 纲 (3)  |
| 围春山 ..... | [明] 萧 显 (4)  |
| 角山 .....  | [明] 张 恺 (5)  |
| 角山 .....  | [明] 黄景夔 (6)  |
| 角山 .....  | [明] 马 扬 (7)  |
| 角山 .....  | [明] 马 扬 (8)  |
| 角山 .....  | [明] 马 扬 (9)  |
| 角山 .....  | [明] 马 扬 (10) |
| 洞山 .....  | [明] 马 扬 (11) |
| 角山 .....  | [明] 吕 高 (12) |
| 角山 .....  | [明] 葛守礼 (14) |
| 角山 .....  | [明] 谷继宗 (15) |
| 角山 .....  | [明] 谷继宗 (16) |
| 角山 .....  | [明] 闻人詮 (17) |
| 角山 .....  | [明] 刘 隅 (18) |
| 角山 .....  | [明] 刘 仑 (19) |
| 角山 .....  | [明] 刘 仑 (20) |
| 角山 .....  | [明] 陈 绶 (21) |
| 围春山 ..... | [明] 洪 钟 (22) |
| 悬阳洞 ..... | [明] 朱洪范 (23) |

|                 |              |
|-----------------|--------------|
| 重九登角山遇雨 .....   | [清] 刘鸿儒 (25) |
| 和刘都谏韵 .....     | [清] 吕鸣章 (26) |
| 重九登首山 .....     | [清] 余一元 (27) |
| 登首山 .....       | [清] 余一元 (29) |
| 登首山 .....       | [清] 余一元 (30) |
| 登角山忆昔偶作 .....   | [清] 陈廷谟 (31) |
| 角山登眺 .....      | [清] 陈廷谟 (32) |
| 重九登角山 .....     | [清] 陈 丹 (33) |
| 登首山 .....       | [清] 陈 丹 (34) |
| 重九登角山陪陈比部 ..... | [清] 刘允元 (35) |
| 仲夏重游角山书舍 .....  | [清] 穆宗道 (36) |
| 仲夏重游角山书舍 .....  | [清] 李养和 (37) |
| 登角山 .....       | [清] 李养和 (38) |
| 登首山 .....       | [清] 李养和 (39) |
| 秋日登朝阳洞 .....    | [清] 李养和 (40) |
| 登角山 .....       | [清] 王 册 (41) |
| 夜登角山绝顶 .....    | [清] 蔺士元 (42) |
| 洞山 .....        | [清] 刘泽澍 (43) |
| 登瞭角山 .....      | [清] 李廷对 (44) |
| 悬阳洞诗并序 .....    | [清] 钟和梅 (45) |
| 悬洞窥天 .....      | [清] 陆开泰 (46) |
| 瑞莲捧日 .....      | [清] 陆开泰 (47) |
| 山寺雨晴 .....      | [清] 陆开泰 (48) |
| 屏峰春盎 .....      | [清] 陆开泰 (49) |
| 悬洞窥天 .....      | [清] 王一士 (50) |
| 瑞莲捧日 .....      | [清] 王一士 (51) |
| 山寺雨晴 .....      | [清] 王一士 (52) |
| 屏峰春盎 .....      | [清] 王一士 (53) |
| 悬洞窥天 .....      | [清] 王 朴 (54) |

|             |      |     |      |
|-------------|------|-----|------|
| 瑞莲捧日 .....  | [清]  | 王 朴 | (55) |
| 山寺雨晴 .....  | [清]  | 王 朴 | (56) |
| 屏峰春盎 .....  | [清]  | 王 朴 | (57) |
| 二郎山 .....   | [清]  | 萧德宣 | (58) |
| 杂咏 .....    | [清]  | 萧德宣 | (60) |
| 杂咏 .....    | [清]  | 萧德宣 | (61) |
| 角山大道湾 ..... | [清]  | 乌林泰 | (62) |
| 悬洞窥天 .....  | [清]  | 王芳毓 | (63) |
| 悬洞窥天 .....  | [清]  | 王芳毓 | (64) |
| 悬崖飞瀑 .....  | [民国] | 费荫棠 | (65) |
| 琴亭画景 .....  | [民国] | 费荫棠 | (66) |
| 石喧金鼓 .....  | [民国] | 费荫棠 | (67) |
| 五泉秋色 .....  | [民国] | 费荫棠 | (68) |
| 悬崖飞瀑 .....  | [民国] | 刘文临 | (69) |
| 琴亭画景 .....  | [民国] | 刘文临 | (70) |
| 石喧金鼓 .....  | [民国] | 刘文临 | (71) |
| 五泉秋色 .....  | [民国] | 刘文临 | (72) |

## 咏海

|            |     |     |      |
|------------|-----|-----|------|
| 春日观海 ..... | [唐] | 李世民 | (75) |
| 奉和 .....   | [唐] | 杨师道 | (77) |
| 观海 .....   | [唐] | 独孤及 | (79) |
| 海 .....    | [明] | 杨 琚 | (81) |
| 海 .....    | [明] | 邵 敏 | (82) |
| 海 .....    | [明] | 尚 纲 | (83) |
| 石河 .....   | [明] | 尚 纲 | (84) |
| 海 .....    | [明] | 萧 显 | (85) |
| 海 .....    | [明] | 萧 显 | (86) |
| 海 .....    | [明] | 尚 缙 | (87) |

|              |                   |
|--------------|-------------------|
| 海 .....      | [明] 陈 岷 (88)      |
| 海 .....      | [明] 陈 钦 (89)      |
| 海 .....      | [明] 吴 岩 (90)      |
| 海 .....      | [明] 汪 瑛 (91)      |
| 海 .....      | [明] 黄景夔 (92)      |
| 石河 .....     | [明] 黄景夔 (93)      |
| 灞儿海口 .....   | [明] 黄景夔 (94)      |
| 观海诗二首 .....  | [明] 方 豪 (95)      |
| 海 .....      | [明] 马 扬 (96)      |
| 海 .....      | [明] 马 扬 (97)      |
| 海 .....      | [明] 汪玄锡 (98)      |
| 海 .....      | [明] 汪玄锡 (99)      |
| 海 .....      | [明] 谷继宗 (100)     |
| 海 .....      | [明] 刘谦亨 (101)     |
| 海 .....      | [明] 李学诗 (102)     |
| 海 .....      | [明] 闻人詮 (103)     |
| 海 .....      | [明] 闻人詮 (104)     |
| 海 .....      | [明] 卢耿麒 (105)     |
| 海 .....      | [明] 卢耿麒 (106)     |
| 海 .....      | [明] 裴 骞 (107)     |
| 海 .....      | [明] 刘 隅 (108)     |
| 海 .....      | [明] 葛守礼 (109)     |
| 海 .....      | [明] 葛守礼 (110)     |
| 观南海口 .....   | [清] 刘鸿儒 (111)     |
| 望海 .....     | [清] 陈天植 (112)     |
| 登澄海楼观海 ..... | [清] 爱新觉罗·玄烨 (113) |
| 题澄海楼壁 .....  | [清] 爱新觉罗·弘历 (114) |
| 石河吊古 .....   | [清] 陈廷谟 (115)     |
| 观海 .....     | [清] 张 照 (116)     |



|           |      |     |       |
|-----------|------|-----|-------|
| 观海·····   | [清]  | 卫理元 | (117) |
| 海亭风静····· | [清]  | 陆开泰 | (118) |
| 姜坟雁阵····· | [清]  | 陆开泰 | (119) |
| 海亭风静····· | [清]  | 王一士 | (120) |
| 姜坟雁阵····· | [清]  | 王一士 | (121) |
| 海亭风静····· | [清]  | 王 朴 | (122) |
| 姜坟雁阵····· | [清]  | 王 朴 | (123) |
| 杂咏二首····· | [清]  | 萧德宣 | (124) |
| 观海·····   | [清]  | 渠 任 | (125) |
| 卧游辽海····· | [民国] | 费荫棠 | (126) |
| 鱼拖匹练····· | [民国] | 费荫棠 | (127) |
| 夜涛星箭····· | [民国] | 费荫棠 | (128) |
| 寒溪渔水····· | [民国] | 费荫棠 | (129) |
| 卧游辽海····· | [民国] | 刘文临 | (130) |
| 鱼拖匹练····· | [民国] | 刘文临 | (131) |
| 夜涛星箭····· | [民国] | 刘文临 | (132) |
| 寒溪渔水····· | [民国] | 刘文临 | (133) |

## 咏关

|                    |     |     |       |
|--------------------|-----|-----|-------|
| 春怨·····            | [唐] | 金昌绪 | (137) |
| 送郑少府入辽共赋侠客远从戎····· | [唐] | 骆宾王 | (138) |
| 山海关·····           | [明] | 秦 夔 | (139) |
| 镇东楼·····           | [明] | 杨 琚 | (140) |
| 镇东楼·····           | [明] | 杨 琚 | (141) |
| 镇东楼·····           | [明] | 尚 纲 | (142) |
| 镇东楼·····           | [明] | 郑 己 | (143) |
| 镇东楼·····           | [明] | 萧 显 | (144) |
| 镇东楼·····           | [明] | 萧 显 | (145) |
| 镇东楼·····           | [明] | 尚 缙 | (146) |